CBSE प्रश्न पत्र 2019 (सेट-1)

कक्षा 11 हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश-

i. सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
ii. सभी प्रश्नों के अंक उनके सामने अंकित हैं।
iii. प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमानुसार दें।
iv. शुद्धता व स्पष्टता का ध्यान रखें।
v. जिन प्रश्नों के विकल्प दिए गए हैं, उनमें निर्धारित प्रश्नों के उत्तर लिखें।

खण्ड 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (11)**

वर्तमान युग सुविधावादी युग है। प्राचीन युग में राजा-महाराजाओं के लिए सुलभ सामग्री वर्तमान में जन-साधारण के लिए उपलब्ध है। फिर भी हर व्यक्ति तनावग्रस्त दिखाई देता है। उसे पहले से कहीं अधिक चिंताएँ चारों ओर घेरे हुए हैं। हालांकि जहाँ है जीवन है, वहाँ समस्याएँ व कठिनाइयाँ होती ही हैं। ये ही तो जीवन के होने का सबूत होती हैं। उनका समाधान और प्रतिकार सशक्त विचार, आंतरिक बल और साहस से ही हो सकता है। आत्मविश्वास की ज्योति प्रज्वलित करने से ही विकास का मार्ग प्रशस्त हो सकता है, समाधान की दिशा प्राप्त हो सकती है।

व्यक्ति व परिस्थिति का गहरा सम्बन्ध है जिसे अनुकूल परिस्थितियाँ प्राप्त होती हैं वह सहजता से विकास कर सकता है। प्रतिकूल परिवेश में सफलता कठिन होती है। जिसका आत्मबल प्रबल है, वह प्रतिकूल परिस्थितियों को भी अनुकूलता में बदल सकता है। उसके अभाव में सौभाग्य से प्राप्त अवसर भी अभिशाप बन जाते हैं। अतः स्वयं को दीन-हीन समझना भी पाप है। आधुनिक मनोविज्ञान के अनुसार महत्ता की ग्रंथि अर्थात् सुपिरियॉरिटी कॉम्प्लेक्स व हीनता की ग्रंथि यानि इनफिरियॉरिटी कॉम्प्लेक्स - इन दोनों ग्रंथि से जीवन में प्रगति व सफलता पाने हेतु मुक्ति प्राप्त करना जरूरी है। अतः जीवन में हीनता व भीरूता की भावना को प्रोत्साहन न दें। आत्मशक्ति का आधार सबल बनाएँ जीवन की धारा को संतुलित व व्यवस्थित करें। कुछ बड़ा सोचें, ऐसी दुनिया बनाएँ जिसके बारे में हमसे पहले किसी ने सपना भी न देखा हो।

i. महत्ता की ग्रंथि व हीनता की ग्रंथि से मुक्ति पाना क्यों आवश्यक है? (2)
ii. जीवन में अनुकूल व प्रतिकूल परिस्थितियों का क्या प्रभाव पड़ता है? (2)
iii. 'प्रबल आत्मबल जीवन में सहायक है।' कैसे? (2)
iv. जीवन की समस्याओं का समाधान कैसे संभव है? (2)
v. आत्मविश्वास का गुण मानव जीवन को किस दिशा में ले जाने में सहायक है? (2)

the Online Gurukul
Traditional Method Of Learning With The Help Of Modern Technology

vi. लेखक मानव को जीवन में कैसी सोच बनाने की प्रेरणा दे रहा है? (1)

2. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×5=5)**

निर्मम कुम्हार की थापी से, कितने रूपों में कुटी-पिटी,
हर बार बिखर गई किंतु, मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी।
आशा में निश्छल पल जाए, छलना में पड़कर छल जाए।
सूरज दमके तो तप जाए रजनी ठुमके तो ढल जाए,
यों तो बच्चों की गुड़िया सी, भोली मिट्टी की हस्ती क्या
आँधी आए तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए
फसलें उगती फसलें कटतीं लेकिन धरती चिर उर्वर है।
सौ बार बने सौ बार मिटे लेकिन मिट्टी अविनश्वर है।

i. रात होने का मिट्टी पर क्या प्रभाव पड़ता है?
ii. मिट्टी चिर उर्वरा कैसे है? सिद्ध कीजिए।
iii. किन-किन परिस्थितियों में मिट्टी का स्वरूप नहीं बदला?
iv. मिट्टी की तुलना किससे की गई है?
v. आँधी व पानी मिट्टी को किस प्रकार प्रभावित करते हैं?

अथवा

विषुवत रेखा का वासी जो
जीता है नित हाँफ-हाँफ कर
रखता है अनुराग अलौकिक
वह भी अपनी मातृभूमि पर।
ध्रुववासी जो हिम में, तम में
जी लेता है काँप-काँप कर।
वह भी अपनी मातृभूमि पर
कर देता है प्राण-निछावर
तुम तो हे प्रिय बंधु ! स्वर्ग-सी,
सुखद, सकल विभवों की आकर
धरा शिरोमणि मातृभूमि में
धन्य हुए हो जीवन पाकर।

i. भारतवासी का जीवन धन्य क्यों है?
ii. ध्रुवीय क्षेत्र में रहने वालों के जीवन में क्या-क्या कठिनाइयाँ हैं?
iii. विषुवत रेखा का वासी हाँफ-हाँफ करे क्यों जीता है?
iv. 'धरा-शिरोमणि मातृभूमि' का क्या आशय है?
v. उपर्युक्त काव्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

the Online Gurukul
Traditional Method Of Learning With The Help Of
Modern Technology

खण्ड 'ख'

3. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए - (8)**
   i. हमारी प्रमुख राष्ट्रीय समस्याएँ
   ii. पर्वतीय स्थान की यात्रा
   iii. आधुनिक नारी के बढ़ते कदम
   iv. मुझे अपने भारतीय होने पर गर्व क्यों?
4. राजनीति विज्ञान के प्रवक्ता पद पर नियुक्ति हेतु दिल्ली प्रदेश सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष को आवेदन-पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी को पत्र लिखकर अपनी कॉलोनी में अनियमित व अपर्याप्त जल वितरण से होने वाली असुविधाओं के प्रति ध्यान आकृष्ट कीजिए।

5. **निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1×4=4)**
   i. पत्रकारिता का विकास क्यों हुआ?
   ii. डायरी लेखन के दो लाभ लिखिए।
   iii. समाचार लेखन की भाषा कैसी होनी चाहिए?
   iv. प्रेस विज्ञप्ति क्या है?
   v. जनसंचार के आधुनिक माध्यम कौन-कौन-से हैं?
6. प्रतिवेदन लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य बातों का उल्लेख कीजिए। **(3)**

अथवा

नवयुग पब्लिक स्कूल प्रबंध समिति की नए शैक्षिक सत्र प्रारम्भ होने से पूर्व की बैठक हेतु कार्यसूची तैयार कीजिए।

खण्ड 'ग'

7. **निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- (6)**

जब तब नींद उचट जाती है
पर क्या नींद उचट जाने से
रात किसी की कट जाती है?
देख-देख दुःस्वप्न भयंकर
चौंक-चौंक उठता हूँ डर कर;
पर भीतर के दुःस्वप्नों से
अधिक भयावह है तम बाहर!

अथवा

भौरण को गुंजन बिहार वन कुंजन में
मंजुल मलारन को गावनों लगत है।
कहै पद्माकर गुमानहूँ ते मानहुँ तें

प्रानहूँ तै प्यारो मनभावनो लगत है
मोरन को सोर घनघोर चहुँ ओरन,
हिंडोरन को वृंद छवि छावनो लगत है
नेह सरसावन में मेह बरसावन में
सावन में झूलिबो सुहावनो लगत है।

8. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2+2=4)**
   i. 'सूरदास' के पद के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मुरली श्रीकृष्ण पर किस-किस प्रकार शासन करती है?
   ii. सोन खगों की पंक्तियाँ कवि सुमित्रानंदन पंत को कैसी लगती हैं?
   iii. प्रकृति किस प्रकार मनुष्य को उसके लक्ष्य तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होती है? सब आँखों के..... कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
   iv. मगध के माध्यम से 'हस्तक्षेप' कविता में किस व्यवस्था की ओर संकेत किया गया है? स्पष्ट कीजिए।
9. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य-सौन्दर्य लिखिए - (3+3=6)**
   i. हिंदुन की हिन्दुवाई देखी तुरकन की तुरकाई।
   कहैं कबीर सुनो भाई साधो कौन राह है जाई।
   ii. तरल तरुण कस्तूरी मृग को अपने पर चिढ़ते देखा है,
   बादल को घिरते देखा है।
   iii. वैसे हम स्वजन हैं, करीब हैं बीच की दीवार के दोनों ओर
   क्योंकि हम पेशेवर गरीब हैं।
   iv. चाहत उठ्योई उठि गई सो निगोड़ी नींद,
   सोए गए भाग मेरे जाने वा जगन में।
10. **निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (5)**

चाचा जी, नष्ट हो जाना तो यहाँ का नियम है। जो सँवारा गया है वह बिगड़ेगा ही। हमें दुर्बलता के डर से अपना काम नहीं रोकना चाहिए। कर्म के समय हमारी भुजाएँ दुर्बल नहीं, भगवान की सहस्र भुजाओं की सखियाँ हैं।

अथवा

सुशीला ने आगे बढ़कर इशारा किया - मुँह खोलो ! और गूँगे ने मुँह खोल दिया, लेकिन उसमें कुछ दिखाई नहीं दिया। पूछा - 'गले में कौआ है?' गूँगा समझ गया। इशारे से ही बता दिया - 'किसी ने बचपन में गला साफ करने की कोशिश में काकल काट दिया' और वह ऐसे बोलता है, जैसे घायल पशु कराह उठता है, शिकायत करता है जैसे कुत्ता चिल्ला रहा हो और कभी-कभी उसके स्वर में ज्वालामुखी के विस्फोट की-सी भयानकता थपेड़े मार उठती है। वह जानता है कि वह सुन नहीं सकता और बता-बताकर मुस्कुराता है। वह जानता है कि उसकी बोली को कोई नहीं समझता फिर भी बोलता है।

11. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (3+3=6)**
   i. 'ईदगाह' कहानी में वर्णित नमाज के दृश्य का वर्णन कीजिए।
   ii. असगर ठेकेदार के साथ जसदेव को आता देखकर सूबेसिंह क्यों बिफर पड़ा और जसदेव को मारने का क्या कारण था?
   iii. आपके विचार से देश की उन्नति किस प्रकार संभव है? भारतवर्ष की उन्नति.....निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

the Online Gurukul
Traditional Method Of Learning With The Help Of Modern Technology

iv. फुले दम्पत्ति का जीवन किस प्रकार आधुनिक दम्पत्तियों को प्रेरणा प्रदान करता है?

12. देव/धूमिल के जीवन व रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(5)**

अथवा

ओमप्रकाश वाल्मीकि/हरिशंकर परसाई के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषाशैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

13. 'आवारा मसीहा' में बाल-सुलभ चंचलताओं और शरारतों के विभिन्न प्रसंगों में से आपको कौन-सा अंश अच्छा लगा और क्यों? **(4)**

अथवा

'अंडे के छिलके' एकांकी में प्रत्येक पात्र दोहरेपन की जिंदगी जी रहा है। स्पष्ट कीजिए।

14. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (4+4=8)**

i. आप कैसे कह सकते हैं कि शरत और धीरू सच्चे दोस्त थे?

ii. मोतीलाल के पिता बैकुंठनाथ चटोपाध्याय (शरत् के दादा) की मृत्यु किन कारणों से हुई?

iii. मकबूल फिदा हुसैन को उनकी मंजिल तक पहुँचाने में उनके पिता के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

iv. "पराया घर तो लगता ही है, भाभी" अपने भाई-भाभी के कमरे में श्याम को परायेपन का अहसास क्यों होता है?

the Online Gurukul
Traditional Method Of Learning With The Help Of Modern Technology